e-ISSN: 2319-8753 | p-ISSN: 2347-6710

IJIRSET
International Journal of Innovative Research in
SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE RESEARCH

IN SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

Volume 12, Issue 3, March 2023

INTERNATIONAL
STANDARD
SERIAL
NUMBER
INDIA

Impact Factor: 8.423

9940 572 462 | 6381 907 438 | ijirset@gmail.com | www.ijirset.com

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology (IJIRSET)

|e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 8.423| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

|| Volume 12, Issue 3, March 2023 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2023.1203134 |

राजसमंद जिले में जनसंख्या की व्यावसायिक संरचना का भौगोलिक अध्ययन

ओम प्रकाश कलाल – शोधार्थी, भूगोल विभाग, माणिक्यलाल वर्मा श्रमजीवी, महाविद्यालय, उदयपुर

डॉ. सुनीता सिंह – प्रोफेसर (से.नि.), माणिक्यलाल वर्मा श्रमजीवी, महाविद्यालय, उदयपुर

सारांश

अपने विभिन्न आवश्यकताओं की पूर्ति करने हेतु तथा अपने जीवन यापन करने के लिए जनसमुदाय विभिन्न प्रकार के कार्यों में संलग्न रहता है वस्तुतः इसे ही जनसँख्या की व्यवसायिक संरचना कहा जाता है। सन् 2001 की जनगणना ने भारत की श्रमजीवी जनसंख्या को चार प्रमुख संवर्गों में बाँटा है, यथा काश्तकार, (कृषक), खेतिहर मजदूरी करने वाले, परिवारिक उद्योगों में कार्यरत एवं अन्य कार्यों में संलग्न जनसंख्या। भारत की जनसंख्या की व्यवसायिक संरचना का अध्ययन करने से पता चलता है कि यहाँ द्वितीयक और तृतीयक सेक्टरों की अपेक्षा प्राथमिक सेक्टर में लगे श्रमिकों की संख्या अधिक है। कुल श्रमजीवी जनसंख्या का लगभग 58.2 प्रतिशत कृषक व कृषि मजदूर हैं। जबकि केवल 4.2 प्रतिशत श्रमिक घरेलू उद्योगों में लगे हैं तथा 37.6 प्रतिशत अन्य श्रमिक हैं जो गैर–घरेलू उद्योगों, व्यापार, वाणिज्य, विनिर्माण, मरम्मत व अन्य सेवाओं में कार्यरत हैं। देश में पुरुष श्रमिकों की संख्या स्त्री श्रमिकों की संख्या से तीनों सेक्टरों में अधिक है। महिला श्रमिकों की संख्या प्राथमिक सेक्टर में अपेक्षाकृत अधिक है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि पिछले कुछ दशकों में भारत में कृषि सेक्टर के श्रमिकों के अनुपात में गिरावट दर्ज की जा रही है तथा द्वितीयक व तृतीयक सेक्टर में सहभागिता दर बढ़ी है। देश के विभिन्न सेक्टरों में श्रम सहभागिता दर में स्थानिक भिन्नता भी देखने को मिलती है, जैसे हिमाचल प्रदेश व नागालैंड में कृषकों की संख्या अधिक है, वहीं आंध्रप्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, झारखंड, पश्चिम बंगाल तथा मध्य प्रदेश में कृषि मजदूरों की संख्या अधिक है। जबकि नगरीकृत क्षेत्रों में श्रमिकों का बहुत बड़ा अनुपात अन्य सेवाओं में संलग्न है। भारत में द्वितीयक एवं तृतीयक क्षेत्र की अपेक्षा प्राथमिक क्षेत्र में अधिक श्रमिक कार्यरत हैं। प्रस्तुत शोध–पत्र में राजस्थान के राजसमंद जिले में जनसंख्या के व्यावसायिक संगठन का भौगोलिक अध्ययन प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में जिले की कार्यशील, सीमांत एवं अकार्यशील जनसंख्या का विश्लेषण प्रस्तुत करने के साथ ही विभिन्न आर्थिक गतिविधियों में संलग्न जनसंख्या का विवरण भी प्रस्तुत करते हुये ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के संदर्भ में तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है।

मूल बिंदु : व्यावसायिक संरचना, जनसांख्यिकी, आर्थिक क्रियाऐ, मानव–विज्ञान

|e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 8.423| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

|| Volume 12, Issue 3, March 2023 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2023.1203134 |

परिचय :

जनसंख्या किसी भी क्षेत्र के विकास हेतु एक अति–महत्त्वपूर्ण संसाधन होती है तथा जनसांख्यिकी मानव जनसंख्या का सांख्यिकीय अध्ययन है। यह एक बहुत सामान्य विज्ञान हो सकता है जिसे किसी भी तरह की गतिशील मानव आबादी पर लागू किया जा सकता है, अर्थात् ऐसी आबादी जो समय और स्थान के साथ–साथ परिवर्तित होती है। इसमें जनसंख्या के आकार, संरचना और वितरण और जन्म, प्रवास, वृद्धि और मृत्यु के सन्दर्भ में स्थानिक और कालिक परिवर्तन का अध्ययन शामिल होता है। जनसांख्यिकीय विश्लेषण को शिक्षा, राष्ट्रीयता, धर्म और जातीयता जैसे मानदंडों के आधार पर विभाजित पूरे समाज पर या समूहों पर लागू किया जा सकता है। शिक्षण क्षेत्र में, जनसांख्यिकी को अक्सर समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र अथवा मानव–विज्ञान की एक शाखा के रूप में माना जाता है। औपचारिक जनसांख्यिकी के अध्ययन का लक्ष्य, जनसंख्या की प्रक्रियाओं के मापन तक सीमित है, जबकि सामाजिक जनसांख्यिकी जनसंख्या अध्ययन का अधिक व्यापक क्षेत्र, एक जनसंख्या को प्रभावित करने वाले आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और जैविक प्रक्रियाओं के बीच संबंधों का विश्लेषण करता है। व्यावसायिक संघटन का अर्थ किसी व्यक्ति के खेती, विनिर्माण व्यापार, सेवाओं अथवा किसी भी प्रकार की व्यावसायिक क्रियाओं में लगे होने से है जिससे उससे आर्थिक लाभ प्राप्त होता हैं। आर्थिक स्तर की दृष्टि से भारत की जनसंख्या को तीन वर्गों में बाँटा जाता है, कार्यशील जनसंख्या, सीमांत जनसंख्या एवं अकार्यशील जनसंख्या। किसी क्षेत्र में जनसंख्या की व्यावसायिक संरचना कैसी है इस आधार पर उस क्षेत्र विशेष में की जाने वाली प्रमुख आर्थिक गतिविधियों का आंकलन किया जा सकता है। जनसंख्या से संबन्धित अध्ययन में व्यावसायिक संरचना का अध्ययन अति महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। राजसमंद जिले की भौगलिक पृष्ठभूमि को देखें तो पता चलता है की यहाँ अन्य कार्यों की तुलना में औद्योगिक कार्यों में संलग्न जनसंख्या का प्रतिशत सर्वाधिक पाया गया है विशेषकर मार्बल आधारित औद्योगिक कार्यों में क्षेत्र की जनसंख्या का एक बड़ा प्रतिशत संलग्न पाया गया है जबकि अन्य कार्यों यथा कृषि, पारिवारिक उद्योग इत्यादि में संलग्न जनसंख्या का प्रतिशत तुलनात्मक रूप से कम पाया गया है।

|e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 8.423| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |
|| Volume 12, Issue 3, March 2023 ||
| DOI:10.15680/IJIRSET.2023.1203134 |

उद्देश्य :

प्रस्तुत शोध–पत्र के निम्न उद्देश्य है–

- राजसमंद जिले की जनसंख्या का विश्लेषण करना
- जिले में जनसंख्या की व्यावसायिक संरचना का मूल्यांकन करना
- जिले की कार्यशील, सीमांत एवं अकार्यशील जनसंख्या का विश्लेषण करना
- जिले में विभिन्न आर्थिक व्यवसायों में संलग्न जनसंख्या का वर्गिकरण प्रस्तुत करना

आंकड़ो के स्त्रोत :

प्रस्तुत शोध पत्र द्वितीयक आंकड़ों के आधार पर तैयार किया गया है। द्वितीयक आंकड़ो का संग्रहण विभिन्न प्रकार की सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओ द्वारा प्रकाशित रेपोट्र्स, पुस्तकों आदि के माध्यम से किया गया है। इस हेतु जिले के विभिन्न कार्यालयो यथा, सांख्यिकी कार्यालय, राजसमंद, आदि के माध्यम से आंकड़ो का संकलन किया गया है। आवश्यकता अनुरूप ऑनलाइन स्रोतों से भी जिले से संबन्धित सूचनाओ का संकलन कर शोध–पत्र लेखन मे सहायता ली गयी है।

अध्ययन क्षेत्र :

राजस्थान का राजसमंद जिला 24 डिग्री 46 मिनट से 26 डिग्री 01 मिनट उत्तरी अक्षांशों एवं 73 डिग्री 28 मिनट से 74 डिग्री 18 मिनट पूर्वी देशांतरों के मध्य फैला हुआ है। इस जिले का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 3860 वर्ग किलोमीटर है। इस जिले को महाराजा राजसिंह ने बसाया था एवं इसका प्राचीन नाम राजनगर था। जिले का गठन 10 अप्रैल 1991 को उदयपुर जिले के राजनगर और कांकरोली को मिलाकर किया गया था। शहर और जिले का नाम मेवाड़ के राणा राज सिंह द्वारा 17 वीं सदी में निर्मित एक कृत्रिम झील, राजसमन्द झील के नाम से लिया गया है। प्रशासनिक दृष्टि से राजसमंद जिला 10 तहसीलों नाथद्वारा, भीम, देवगढ़, राजसमंद, कुंभलगढ़, रेलमगरा, आमेट, गधबोर, कुंवारिया एवं देलवाड़ा मे बंटा हुआ है एवं जिले मे पंचायत समितियों की संख्या 08 है। जिले मे आबाद ग्रामों की संख्या 1037 है जबकि गैर आबाद ग्रामों की संख्या 13 है। यह जिला उत्तर में अजमेर, उत्तर–पूर्व में भीलवाड़ा, पूर्व में चित्तौड़गढ़, दक्षीण में उदयपुर और पश्चिम में पाली जिले द्वारा सीमांकित है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार जिले की कुल जनसंख्या 1156597 है जिसमे पुरुष एवं महिलाओं की जनसंख्या क्रमशः 581339 एवं 575258 है। जिले मे इस वर्ष ग्रामीण जनसंख्या 972777 थी जबकि नगरीय जनसंख्या 183820 है। वर्ष 2001 मे जिले की कुल जनसंख्या 987024 थी वर्ष 2001 से 2011 के मध्य मे जिले मे जनसंख्या मे वृद्धि दर 17.18 प्रतिशत रही है। वर्ष 2011 के अनुसार जिले में जनसंख्या का घनत्व 248 है जबकि लिंगानुपात 990 पाया गया है।

|e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 8.423| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

|| Volume 12, Issue 3, March 2023 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2023.1203134 |

KEY MAP OF STUDY AREA

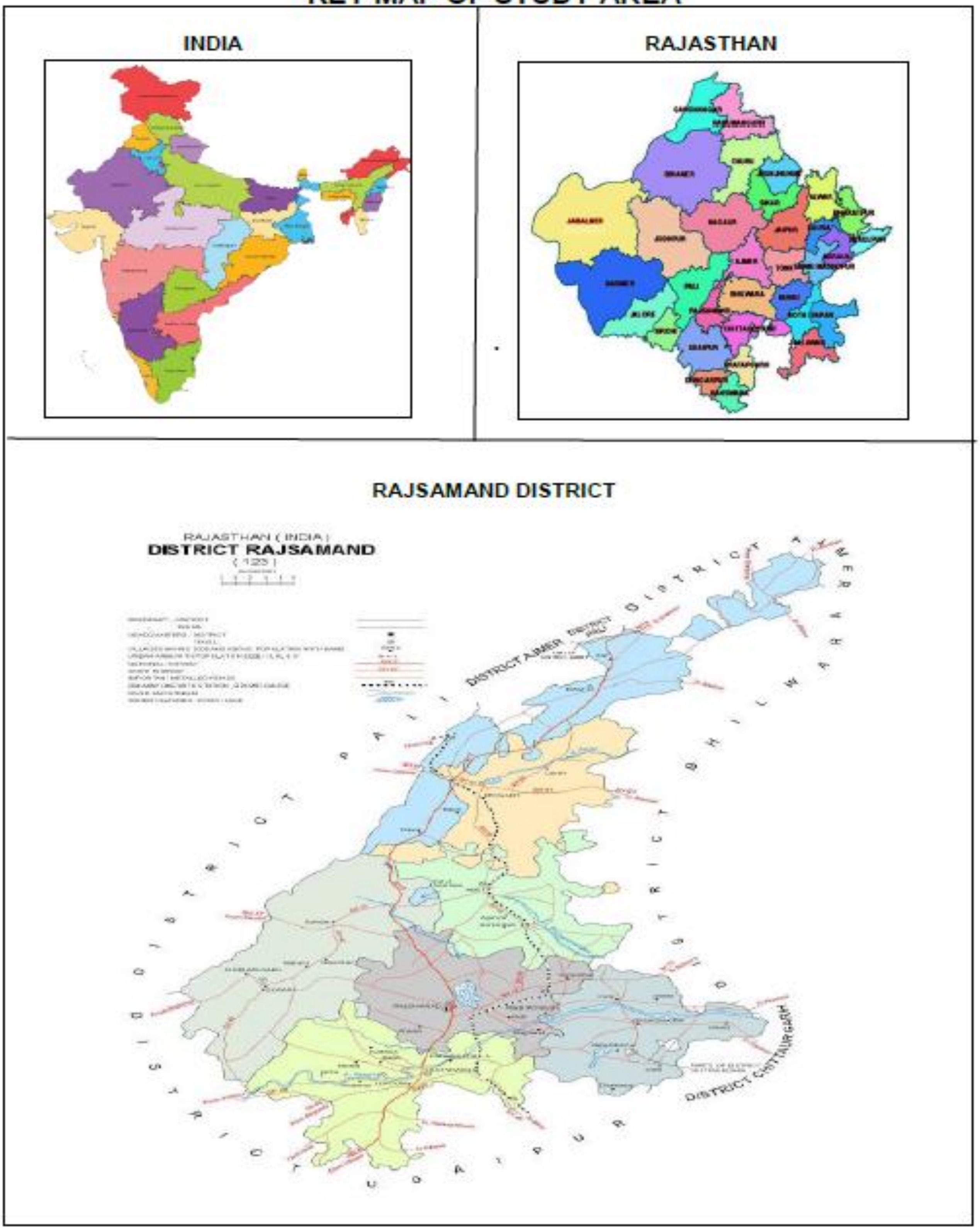

|e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 8.423| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

|| Volume 12, Issue 3, March 2023 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2023.1203134 |

साहित्य पुनरावलोकन :

1. Mohammed I. H. (2005) " Population Geography" – इस पुस्तक में लेखक ने जनसंख्या से जुड़े भौगोलिक आंकडें चयनित रूप से देने का प्रयास किया हैं। जिसमें आयु, लिंगानुपात, साक्षरता, वैवाहिक स्तर, जन्म–मृत्यु एवं पलायन को शामिल किया है। प्रत्येक विषय पर चर्चा पृथक रूप से वैश्विक परिदृश्य को ध्यान में रखकर की गई है और भारत के साथ इसका सहसम्बन्ध करने का प्रयास किया गया है। इस पुस्तक को 2 अध्यायों में विभाजित किया गया है। जिनके नाम क्रमशः जनसंख्या नीतीयां एवं जनसंख्या विकास है।
2. Allan M. Findlay (2007)" Population Geography" – इस पुस्तक में लेखक का प्रमुख उद्देश्य माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों को जनसंख्या भूगोल के परिचित करवाना है। जनसंख्या का अध्ययन एक बहुआयामी अध्ययन है। इसीलिए लेखक द्वारा पुस्तक में जनसंख्या सम्बन्धी समस्त संकल्पनाओं को काफी बेहतर तरीके से विश्लेषित किया किया गया है। इंसें विभिन्न सांख्यिकी विधियों का उपयोग करते हुए पुस्तक को और अधिक रूचिकर बनाने का प्रयास किया गया है।
3. S. A. Qazi and Shabir (2009)" Qazi Population Geography" – यह पुस्तक 14 अध्यायों में विभाजित है। इस पुस्तक में लेखक का उद्देश्य वर्तमान समय में जनसंख्या के बीच वृहत अन्तर को समझात हुए बढ़ती जनसंख्या से उत्पन्न विभिन्न समस्याओं को विश्लेषित कर उनके समाधान हेतु उपाय खोजना है। लेखक स्वयं जनसंख्या के सामाजिक, आर्थिक एवं स्थानिक तथ्यों के बारे में महत्व पूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाने की आवश्यकता महसूस करता है। इस पुस्तक में लेखक ने जनसंख्या प्रवृति को नवीन तरीके से समझाने का प्रयास किया है।
4. **घोष बी. एन. (2012)** ने अपनी पुस्तक फंडामेंटल ऑफ़ पापुलेशन ज्योग्राफी में शहरों में प्रदूषण बढ़ने का कारण जनसंख्या को मना है इसके अध्ययन के अनुसार क्षेत्र में जनसँख्या बढ़ने पर खाद्यान की समस्या आती है एवं पर्यावरण प्रदूषण भी बढ़ता है।

|e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 8.423| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |
|| Volume 12, Issue 3, March 2023 ||
| DOI:10.15680/IJIRSET.2023.1203134 |

जनसंख्या की व्यावसायिक संरचना :

राजसमंद जिले की जनसंख्या की व्यावसायिक संरचना को तीन प्रमुख वर्गों कार्यशील, सीमांत एवं अकार्यशील में वर्गीकृत किया गया है जिसका विस्तृत विवरण निम्न प्रकार से है–

कार्यशील जनसंख्या :

इस वर्ग के अंतर्गत जनसंख्या के उस समूह को रखा जाता है जो वर्ष पर्यंत किसी न किसी आर्थिक गतिविधि में संलग्न रहते है। राजसमंद जिले में कार्यशील जनसंख्या के आंकड़ो को देखें तो तालिका के अध्ययन से ज्ञात होता है की जिले में वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार कार्यशील जनसंख्या 362584 थी जो की जिले की जनसंख्या का 31.32 प्रतिशत है। जिले में 257930 पुरुष एवं 104654 स्त्रियाँ कार्यशील थी जो की जिले की जनसंख्या का 4.36 एवं 18.19 प्रतिशत है।

तालिका संख्या 01
जिले में कार्यशील, सीमांत एवं अकार्यशील जनसंख्या का वितरण, 2011 (संख्या)

क्षेत्र	कार्यशील			सीमांत			अकार्यशील		
	पुरूष	स्त्री	योग	पुरूष	स्त्री	योग	पुरूष	स्त्री	योग
ग्रामीण	211611	95647	307258	57845	120844	178689	217504	269326	486830
नगरीय	46319	9007	55326	3759	5799	9558	44301	74635	118936
योग	257930	104654	**362584**	61604	126643	**188247**	261805	343961	**605766**

स्रोत : डिस्ट्रिक्ट सेन्सस हैंड बुक, राजसमंद, 2011 (पार्ट XII-B)

सीमांत जनसंख्या :

सीमांत श्रेणी में व्यक्तियों के उस समूह को रखा जाता है जो वर्ष में कुछ समय के लिए किसी आर्थिक गतिविधि में संलग्न होते है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार राजसमंद जिले में सीमांत व्यक्तियों की कुल संख्या 188247 पायी गयी है जो की जिले की जनसंख्या का 16.27 प्रतिशत है। जिले में सीमांत श्रेणी के अंतर्गत पुरुषों एवं स्त्रियों की संख्या क्रमशः 61604 एवं 126643 है जो की जिले का 10.57 एवं 22.01 प्रतिशत है। अतः स्पष्ट होता है की जिले में सीमांत श्रेणी के अंतर्गत स्त्रियों का प्रतिशत पुरुषों की तुलना में अधिक पाया गया है। इसी प्रकार ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों की तुलना करें तो पता चलता है की जिले में सीमांत जनसंख्या का प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक पाया गया है।

|e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 8.423| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

|| Volume 12, Issue 3, March 2023 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2023.1203134 |

आरेख संख्या 01

जिले में कार्यशील, सीमांत एवं अकार्यशील जनसंख्या का वितरण, 2011

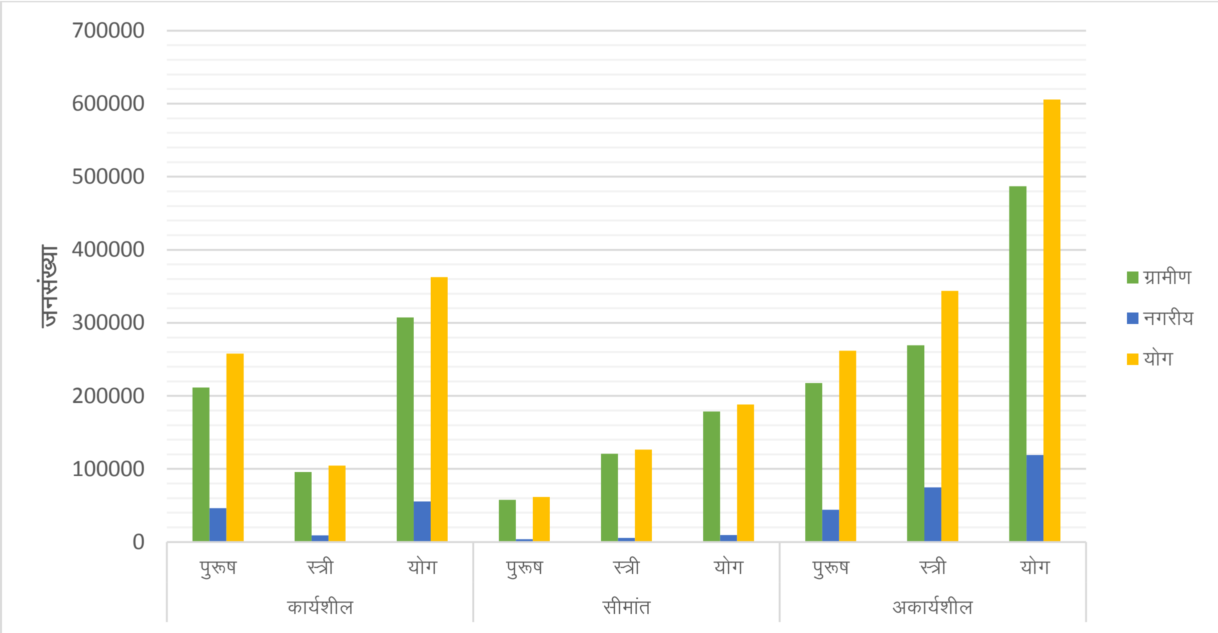

अकार्यशील जनसंख्या :

जनसंख्या अथवा व्यक्तियों का वो समूह पूरे वर्ष किसी भी प्रकार की आर्थिक गतिविधि में संलग्न नहीं रहता है उनको अकार्यशील जनसंख्या के अंतर्गत सम्मिलित किया जाता है। मूलतः इस वर्ग के अंतर्गत विद्यार्थियों, ग्रहणियों, वृद्धों, पेंशनर एंव अन्य प्रकार के आश्रितों को सम्मिलित किया जाता है। राजसमंद जिले में आकार्यशीक जनसंख्या के आंकड़ो को देखें तों आंकड़ो के आधार आधार पर ज्ञात होता है की जिले में वर्ष 2011 के आंकड़ो के अनुसार कुल अकार्यशील व्यक्तियों की संख्या 605766 थी जो की जिले की जनसंख्या का 52.37 प्रतिशत थी। स्त्री–पुरुष अनुपात को देखें तो जिले में 261805 पुरुष तथा 343961 स्त्रियाँ अकार्यशील जनसंख्या के अंतर्गत थी। जिले में अकार्यशील जनसंख्या का सर्वाधिक प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों में पाया गया है। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में अकार्यशील जनसंख्या का प्रतिशत 64.70 पाया गया है जबकि नगरीय क्षेत्रों में यह प्रतिशत 50. 04 पाया गया है।

|e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 8.423| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

|| Volume 12, Issue 3, March 2023 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2023.1203134 |

तालिका संख्या 02

जिले की कार्यशील, सीमांत एवं अकार्यशील जनसंख्या का वितरण, 2011 (प्रतिशत)

क्षेत्र	कार्यशील			सीमांत			अकार्यशील		
	पुरूष	स्त्री	योग	पुरूष	स्त्री	योग	पुरूष	स्त्री	योग
ग्रामीण	43.45	19.68	31.58	11.87	24.87	18.36	44.66	55.43	64.70
नगरीय	49.07	10.07	30.09	3.98	6.68	5.19	46.93	83.44	50.04
योग	44.36	18.19	**31.32**	10.57	22.01	**16.27**	45.03	59.79	**52.37**

स्रोत : डिस्ट्रिक्ट सेन्सस हैंड बुक, राजसमंद, 2011 (पार्ट XII-B)

विभिन्न आर्थिक क्रियाओं में संलग्न जनसंख्या का विवरण :

राजसमंद जिले में विभिन आर्थिक क्रियाकलापों में संलग्न जनसंख्या का विवरण निम्न प्रकार है–

काश्तकार :

राजसमंद जिले मे काश्तकारी के कार्यों में संलग्न जनसंख्या के आंकड़ो को देखे तो पता चलता है की वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार जिले में इस कार्य में संलग्न व्यक्तियों की कुल संख्या 207582 थी जो की जिले की कुल जनसंख्या का 37.69 प्रतिशत है। जिले में पुरुषों की अपेक्षा इस कार्य में संलग्न स्त्रियों की संख्या कम है। जिले में 19.01 प्रतिशत पुरुष काश्तकारी के कार्यों में संलग्न है जबकि स्त्रियों का प्रतिशत 18.67 है।

तालिका संख्या 03

राजसमंद जिले में विभिन्न आर्थिक क्रियाओं में संलग्न जनसंख्या का विवरण – 2011 (संख्या)

क्षेत्र	काश्तकार		खेतीहर मजदूर		परिवारिक उद्योग		अन्य कार्य करने वाले	
	पुरूष	स्त्री	पुरूष	स्त्री	पुरूष	स्त्री	पुरूष	स्त्री
ग्रामीण	102320	10404	38447	64272	5838	4963	122851	46852
नगरीय	2433	2425	1487	2381	1915	789	44243	9211
योग	104753	102829	39934	66653	7753	5752	167094	56063
राजसमंद जिला	**207582**		**106587**		**13505**		**223157**	

स्रोत : डिस्ट्रिक्ट सेन्सस हैंड बुक, राजसमंद, 2011 (पार्ट XII-B)

|e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 8.423| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |
|| Volume 12, Issue 3, March 2023 ||
| DOI:10.15680/IJIRSET.2023.1203134 |

खेतिहर मजदूर :

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि मजदूरों की संख्या सर्वाधिक पायी गयी है। वर्ष 2011 के आंकड़ो के अनुसार राजसमंद जिले में कृषि मजदूरी करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या 106587 थी जिसमे से 39934 पुरुष एवं 66653 स्त्रियाँ थी। अतः स्पष्ट होता है की जिले में कृषि मजदूरी में संलग्न स्त्रियों का प्रतिशत पुरुषों की तुलना मे अधिक पाया गया है। जिले की कुल जनसंख्या में 7.25 प्रतिशत पुरुष एवं 12.1 प्रतिशत स्त्रियाँ इस कार्य में संलग्न पायी गयी है।

पारिवारिक उद्योगों मे कार्यरत :

उपरोक्त दो प्रकार के कार्यों के अलावा तहसील मे तीसरा प्रमुख वर्ग ऐसे व्यक्तियों का है जो अपने परंपरागत एवं पारिवारिक चले आ रहे उधयोगों मे कार्यरत है। राजसमंद जिले में पारिवारिक उद्योगों में संलग्न जनसंख्या के आंकड़ो को देखें तो ज्ञात होता है की जिले में वर्ष 2011 की जनगणना के आंकड़ो के अनुसार कुल 13505 व्यक्ति इन कार्यों में संलग्न पाये गए है जो की जिले की कुल जनसंख्या का मात्र 2.45 प्रतिशत है। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों मे तो इन उद्योगों में संलग्न स्त्री एवं पुरुषों की संख्या में अधिक अंतर नहीं पाया गया है परंतु नगरीय क्षेत्रों में स्त्री एवं पुरुषों के मध्य अंतर अधिक पाया गया है। जिले के नगरीय क्षेत्रों में परिवारिक उद्योगों में संलग्न पुरुषों एवं स्त्रियों का क्रमशः 0.34 एवं 0.14 पाया गया है।

तालिका संख्या 04

राजसमंद जिले में विभिन्न आर्थिक क्रियाओं में संलग्न जनसंख्या का विवरण – 2011 (प्रतिशत)

क्षेत्र	काश्तकार		खेतीहर मजदूर		परिवारिक उद्योग		अन्य कार्य करने वाले	
	पुरूष	स्त्री	पुरूष	स्त्री	पुरूष	स्त्री	पुरूष	स्त्री
ग्रामीण	18.57	18.23	6.98	11′.66	1.05	0.9	22.3	8.5
नगरीय	0.44	0.44	0.26	0.43	0.34	0.14	8.03	1.67
योग	19.01	18.67	7.25	12.1	1.4	1.04	30.33	10.17
राजसमंद जिला	**37.69**		**19.35**		**2.45**		**40.51**	

स्रोत : डिस्ट्रिक्ट सेन्सस हैंड बुक, राजसमंद, 2011 (पार्ट XII-B)

|e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 8.423| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |
|| Volume 12, Issue 3, March 2023 ||
| DOI:10.15680/IJIRSET.2023.1203134 |

अन्य कार्य करने वाले :

राजसमंद जिले की जनसंख्या की व्यावसायिक संरचना के अध्ययन के उपरांत निष्कर्ष के आधार पर यह कहा जा सकता है की जिले में ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में जनसंख्या के व्यावसायिक संगठन में पर्याप्त अंतर देखनें को मिलता है। जिले में कार्यशील जनसंख्या का प्रतिशत 31.22 पाया गया है जबकि सीमांत जनसंख्या 16.27 प्रतिशत पायी गयी है। तुलनात्मक रूप से जिले में अकार्यशील जनसंख्या का प्रतिशत अन्य की तुलना में सबसे अधिक पाया गया है। यदि विभिन्न आर्थिक क्रियाओं में संलग्न जनसंख्या के आंकड़ो को देखें तो प्रस्तुत अध्ययन के आधार पर ज्ञात होता है की जिले में जनसंख्या का सर्वाधिक प्रतिशत कृषि क्षेत्र के अतिरिक्त कार्यों में संलग्न पाया गया है जबकि सबसे कम प्रतिशत पारिवारिक उद्योगों में कार्यरत पाया गया है।

आरेख संख्या 02
राजसमंद जिले में विभिन्न आर्थिक क्रियाओं में संलग्न जनसंख्या का विवरण – 2011

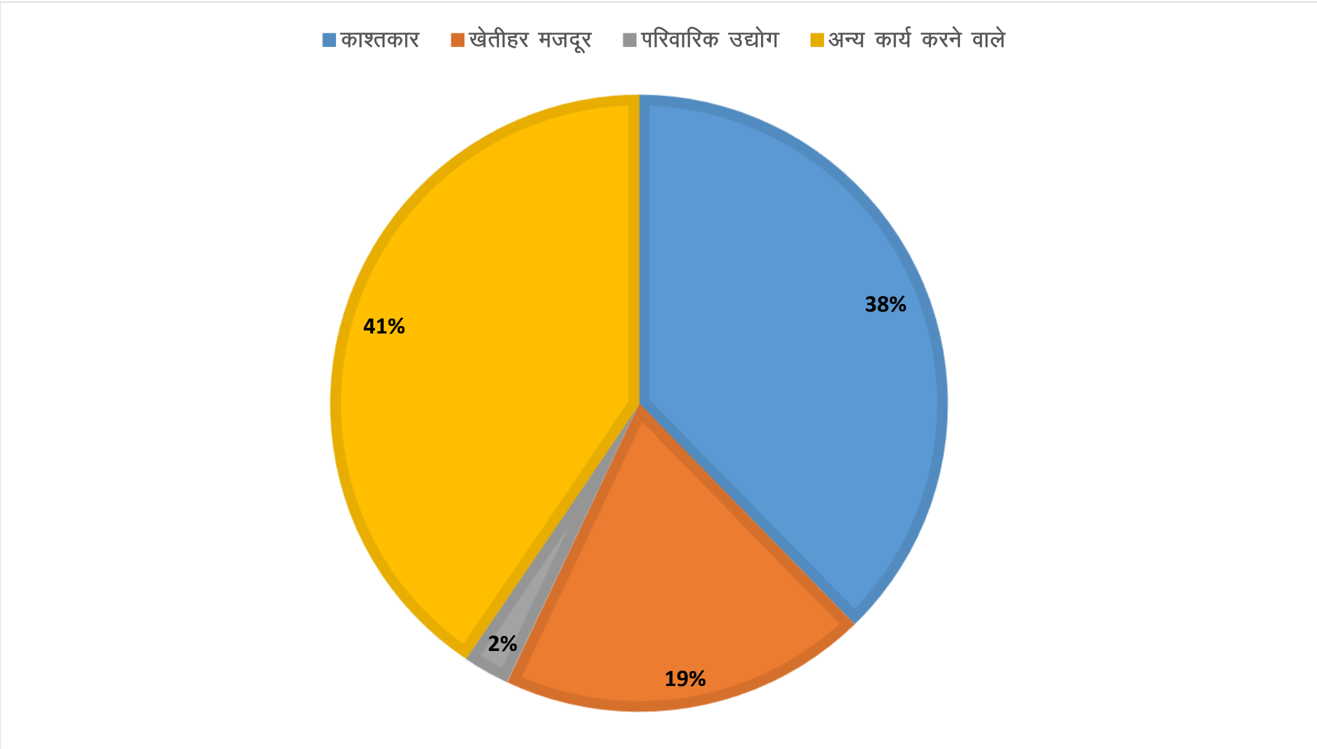

|e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 8.423| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

|| Volume 12, Issue 3, March 2023 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2023.1203134 |

निष्कर्ष :

उपरोक्त अध्ययन के उपरांत यह ज्ञात होता है की नोहर तहसील में जनसंख्या के व्यावसायिक संगठन में क्षेत्र के अनुरूप भिन्नता देखने को मिलती है। विभिन्न आर्थिक क्रियाओं के आधार पर तहसील की जनसंख्या का विश्लेषण करने पर ज्ञात हुआ है की तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों में काश्तकारों की संख्या सर्वाधिक पायी गयी है जबकि नगरीय क्षेत्रों में तुलनात्मक रूप से अन्य कार्यों में संलग्न जनसंख्या का प्रतिशत अधिक पाया गया है। तहसील में जनसंख्या के व्यावसायिक संगठन के संदर्भ मे एक अन्य महत्वपूर्ण तथ्य यह भी ज्ञात हुआ है की सभी प्रकार की आर्थिक क्रियायों में तहसील में कार्यशील स्त्रियों का सर्वाधिक प्रतिशत भी तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों में पाया गया है एवं नगरीय क्षेत्रों में यह प्रतिशत काफी कम पाया गया है।

References:

1. Beajeu, Garnier, J. (1966) : Geography of Population, New York, St. Martin Press.
2. Census Handbook, Rajasmand District, (Part XII B), 2011.
3. Clarke, J.L. (1965) : Population Geography, Oxford Pergamon Press.
4. George, W. Barclay (1966) : Techniques of Population Analysis, Jhon Wiley and Wans Inc.
5. Ghosh, B.N. (1985) : Fundamental of Population Geography,
6. Hassan M. L. (2005) – Population Geography – New Rawat Published by Vedams (P) Ltd., New Delhi.
7. Qazi S. A., Qazi S. – Population Geography – New Delhi.
8. Rajasmand District Gazzetier.
9. Statistical Abstract of Rajasmand District, 2021
10. Sterling Publishers Pvt. Ltd., New Delhi.
11. Trewartha, G.T. (1969) : A Geography of Population – World Pattern, Pergamon Press, Jhon Wiley and Sons.
12. www.censusofindia 2011.com
13. Zelinsky, W. (1966) : Prologue to Population Geography Englewood Cliffs, N.J. Prentice.

INNO SPACE
SJIF Scientific Journal Impact Factor
Impact Factor: 8.118

doi crossref

ISSN INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

निस्केयर NISCAIR

INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE RESEARCH

IN SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

9940 572 462   6381 907 438   ijirset@gmail.com

Scan to save the contact details

www.ijirset.com